दृष्टि The Vision

One Day Exam Series

SSC

STAFF SELECTION COMMISSION

कांस्टेबल (जीडी)

BSF CISF ITBP SSB CRPF ASSAM RIFLES

- SSC कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा का प्रारूप
- सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति
- सामान्य जानकारी
- समसामयिक घटनाक्रम
- प्रारंभिक गणित
- सामान्य हिंदी
- विगत वर्षों के हल प्रश्नपत्र
- मॉडल प्रश्नपत्रों का संकलन
- मॉडल प्रश्नपत्रों का व्याख्या सहित हल

दृष्टि पब्लिकेशन्स

हमारी नवीन प्रस्तुति

भारतीय रेलवे
RPF/RPSF
सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2018

रेल सुरक्षा बल एवं रेल सुरक्षा विशेष बल में सब-इंस्पेक्टर पद हेतु
परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्नपत्रों का संकलन

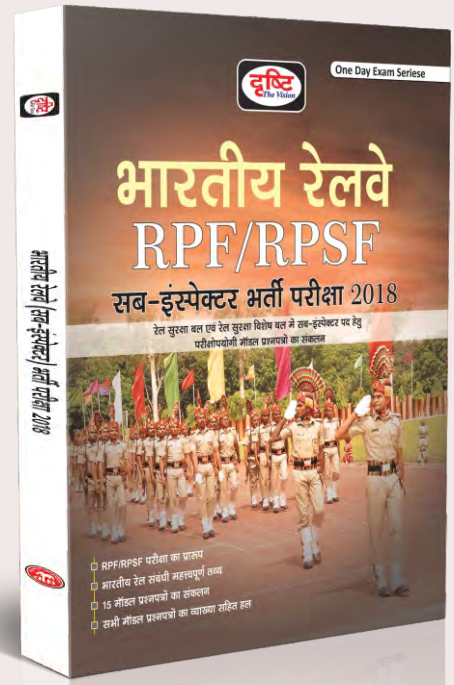

प्रमुख आकर्षण

- RPF/RPSF सब-इंस्पेक्टर परीक्षा का प्रारूप
- भारतीय रेल संबंधी महत्त्वपूर्ण तथ्य
- 15 मॉडल प्रश्नपत्रों का संकलन
- सभी मॉडल प्रश्नपत्रों का व्याख्या सहित हल

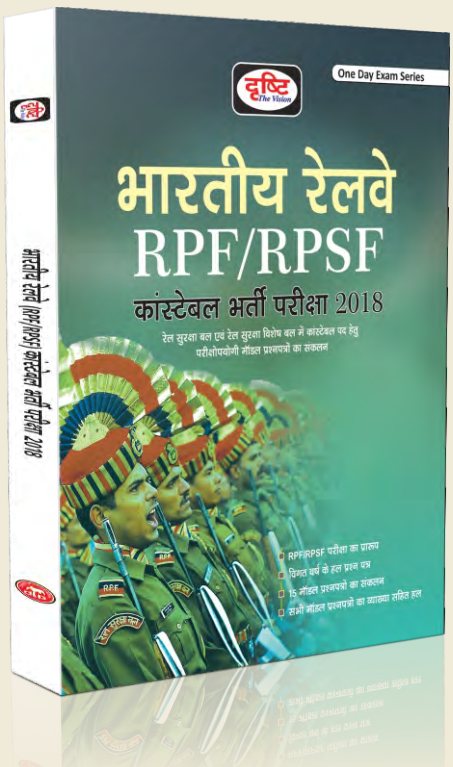

हमारी नवीन प्रस्तुति

भारतीय रेलवे
RPF/RPSF
कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018

रेल सुरक्षा बल एवं रेल सुरक्षा विशेष बल में कांस्टेबल पद हेतु
परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्नपत्रों का संकलन

प्रमुख आकर्षण

- RPF/RPSF परीक्षा का प्रारूप
- विगत वर्ष के हल प्रश्न पत्र
- 15 मॉडल प्रश्नपत्रों का संकलन
- सभी मॉडल प्रश्नपत्रों का व्याख्या सहित हल

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9 Ph.: 87501 87501, 011-47532596
E-mail: online@groupdrishti.com, info@drishtiias.com, *Website: www.drishtiias.com

SSC

कांस्टेबल (जीडी)

BSF, CISF, ITBP, SSB, CRPF, NIA, ASSAM RIFLES

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website:
www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail :
booksteam@groupdrishti.com

प्रथम संस्करण- अगस्त 2018

मूल्य : ₹220

प्रकाशक

दृष्टि पब्लिकेशन्स,
(A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.)
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- © **कॉपीराइट :** दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।
- एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

नव प्रकाशित पुस्तक 'SSC कांस्टेबल (जीडी)' के माध्यम से दृष्टि पब्लिकेशन्स एक बार फिर से आपकी सेवा के लिये प्रस्तुत है। उल्लेखनीय है कि इस पब्लिकेशन्स की स्थापना आई.ए.एस. एवं पी.सी.एस. सहित लगभग सभी तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु स्तरीय, प्रामाणिक व गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्रियों के प्रकाशन के लिये वर्ष 2011 में की गई। अत्यधिक शोध के उपरांत वर्ष 2016 से पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य नियमित रूप से प्रारंभ हुआ। पब्लिकेशन्स की स्थापना के समय से ही हमारा उद्देश्य रहा है कि हम हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के समक्ष गुणवत्तापूर्ण पठन सामग्रियों के अभाव की समस्या को दूर कर सकें। हमारे प्रयासों के समर्थन में आपके द्वारा प्राप्त उत्साहजनक प्रतिक्रिया हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है।

आई.ए.एस. एवं पी.सी.एस. परीक्षाओं में हमारे द्वारा प्रकाशित उत्कृष्ट सामग्रियों की ही तरह अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों के प्रकाशन का अनुरोध हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। पाठकों की इन्हीं मांगों को ध्यान में रखते हुए हमने एकदिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये One Day Exam Series प्रारंभ की है। इस सीरीज़ के अंतर्गत कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबल (जीडी) भर्ती परीक्षा-2018 हेतु एक संपूर्ण पुस्तक आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है।

पुस्तक लेखन से पूर्व हमारी टीम ने बाज़ार में SSC कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा से संबंधित उपलब्ध सामग्रियों का सूक्ष्म अवलोकन किया। हमने पाया कि बाज़ार में उपलब्ध सामग्रियाँ स्तरहीन और अशुद्धियों से परिपूर्ण हैं जो कि परीक्षा के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर भी नहीं लिखी गई हैं। 'कट-पेस्ट' की पद्धति से लिखी गई ये पुस्तकें अभ्यर्थियों को उनके लक्ष्य से दूर कर उनके सपनों को वास्तविक धरातल पर नहीं उतरने देतीं। ऐसी स्थिति में SSC कांस्टेबल (जीडी) पद के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिये एक उत्कृष्ट पुस्तक के प्रकाशन का निश्चय हमारी 10 सदस्यीय टीम ने लिया और इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम भी दिया।

'टीम दृष्टि' ने SSC कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति, सामान्य ज्ञान और सामान्य जानकारी, प्रारंभिक गणित तथा सामान्य हिंदी के खंडों को इस पुस्तक में शामिल किया है। गणित और सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति के खंडों में अभ्यर्थियों की समझ विकसित करने के लिये प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में साधित उदाहरणों के माध्यम से प्रश्नों को हल करने के सरल तरीके समझाए गए हैं। अभ्यर्थियों के स्वमूल्यांकन के लिये प्रत्येक अध्याय के अंत में व्याख्यात्मक उत्तर सहित अभ्यास प्रश्न शामिल किये गए हैं। इन प्रश्नों के उत्तर लिखने में कामचलाऊ और सतही तरीके न अपनाकर उनकी विस्तृत व्याख्या की गई है ताकि अभ्यर्थी गणित सहित सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति के किसी भी तरह के प्रश्न को हल करने में सक्षम हो सकें। इसके साथ विगत वर्षों के तीन प्रश्नपत्रों के अलावा दो मॉडल पेपरों को भी इस पुस्तक में शामिल किया गया है ताकि अभ्यर्थी इनका समुचित अभ्यास कर परीक्षा हॉल में स्वयं को सहज रख सकें।

सात खंडों में बँटी लगभग 280 पृष्ठों की इस पुस्तक में अशुद्धियों की संभावना न्यूनतम रहे, इस बात का ध्यान रखते हुए इसका कई चरणों में गहन निरीक्षण किया गया है। अभ्यर्थियों का बहुमूल्य समय व्यर्थ न हो इसलिये अनावश्यक और गैर-परीक्षोपयोगी सामग्रियों को इस पुस्तक में शामिल करने से बचा गया है। पुस्तक लेखन में विषय-वस्तु को क्रमबद्ध तथा रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। भाषा के स्तर पर विशेष ध्यान रखा गया है ताकि उसमें क्लिष्टता न आए और बोधगम्यता बनी रहे। तात्पर्य यह है कि पुस्तक की रचना में आद्योपांत गुणवत्ता को लेकर पूरी सतर्कता बरती गई है।

हमें भरोसा है कि दृष्टि पब्लिकेशन्स की यह नई पहल आपकी सफलता में वरदान साबित होगी। मेरा निवेदन है कि आप पुस्तक को पाठक के साथ-साथ आलोचक की नज़र से भी पढ़ें। **अगर आपको कोई भी कमी दिखे तो बेझिझक अपना सुझाव 8130392355 नंबर पर वाट्सएप मैसेज से भेज दें।** आपकी टिप्पणियों और सुझावों के आधार पर ही हम इन पुस्तकों को और प्रामाणिक बना सकेंगे।

साभार,
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

- सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति.....01–46
- सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी.....47–111
- करेंट अफेयर्स : एक नज़र में.....112–126
- प्रारंभिक गणित.....127–191
- सामान्य हिंदी.....192–229
- विगत वर्षों के हल प्रश्नपत्र.....230–260
- मॉडल पेपर्स.....261–279

कर्मचारी चयन आयोग

विज्ञप्ति

वेतनमानः ₹ 21700–69100

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, सचिवालय सुरक्षा बल में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) और असम राइफल्स (AR) में राइफलमैन (सामान्य ड्यूटी) की भर्ती परीक्षा, 2018

फा.सं. 3/2/2017–नी. एवं यो-1: गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिपादित भर्ती योजना तथा गृह मंत्रालय और कर्मचारी चयन आयोग के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सी.सु.ब., के.रि.पु.ब., के.औ.सु.बल., भा.ति.सी.पु.ब., स.सी.बल. रा.अ.अ. तथा स.सु.बल में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) तथा असम राइफल्स में राइफलमैन के पदों पर भर्ती के लिये एक खुली परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती परीक्षा में शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी), शारीरिक मापदंड परीक्षा (पीएसटी) कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीई) और चिकित्सा परीक्षा शामिल होंगी।

रिक्तियाँ एवं आरक्षण निम्नानुसार हैं:

सीएपीएफ में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या **54953** है, नोडल बल अर्थात् सीआरपीएफ द्वारा सूचित की गई बल वार संख्या निम्नानुसार है:

बल	पुरुष					महिला					सकल योग
	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	अना.	योग	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	अना.	योग	
BSF	2351	1341	3267	7477	14436	412	235	575	1326	2548	16984
CISF	26	13	47	94	180	2	0	5	13	20	200
CRPF	3893	1586	4230	10263	19972	328	12	398	856	1594	21566
SSB	1041	610	1420	3450	6521	338	159	477	1051	2025	8546
ITBP	533	366	726	1882	3507	97	60	128	334	619	4126
AR	290	361	448	1212	2311	96	115	150	404	765	3076
NIA	0	1	2	5	8	0	0	0	0	0	8
SSF	38	47	75	212	372	10	7	18	40	75	447
योग	8172	4325	10215	24595	47307	1283	588	1751	4024	7646	54953

टिप्पणी

I. नियुक्ति के लिये चयनित अभ्यर्थियों को भारतवर्ष में कही भी सेवा करनी पड़ सकती है।

II. प्रत्येक श्रेणी में भूतपूर्व सैनिकों के लिये 10% रिक्तियाँ आरक्षित हैं। उपयुक्त संख्या में भू.पू.सै. उपलब्ध न होने की दशा में भू.पू.सै. के लिये आरक्षित रिक्तियाँ संबंधित श्रेणी के गैर-भू.पू.सै. से भरी जाएंगी।

III. चूंकि रिक्तियाँ संबंधित राज्यों /संघ शासित क्षेत्रों को आवंटित की गई हैं, अत: अभ्यर्थियों से अपेक्षित है कि वे चिकित्सा परीक्षा/दस्तावेज सत्यापन के समय ऑनलाइन आवेदन पत्र में उनके द्वारा उल्लिखित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का अधिवास प्रमाण पत्र/स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें अन्यथा उनकी अभ्यर्थिता को तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा तथा अभ्यर्थी को चिकित्सा परीक्षा कराने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि कोई अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में उल्लिखित राज्य के अलावा किसी अन्य राज्य द्वारा जारी अधिवास प्रमाणपत्र/स्थाई निवास प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है तो उसे चिकित्सा परीक्षा/दस्तावेजों के स्त्यापन के समय राज्य परिवर्तन करने की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी और उसकी अभ्यर्थिता तत्काल निरस्त कर दी जाएगी। अत: **अभ्यर्थियों को आगाह किया जाता है कि वे आवेदन पत्र भरते समय अत्यंत सावधानी बरतें।**

राष्ट्रीयता/नागरिकता:

अभ्यर्थी को भारत का नागरिक होना चाहिये।

4. (क) आयु सीमा: 01.08.2018 को 18 से 23 वर्ष, अभ्यर्थी का जन्म 02.08.1995 के पहले और 01.08.2000 के बाद न हुआ हो।

टिप्पणी

I. अ.जा., अ.ज.जा., अ.पि.व., भूतपूर्व सैनिक और व्यक्तियों की अन्य श्रेणियों के लिये इस विषय पर सरकारी आदेशों के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट है।

II. अभ्यर्थी यह नोट कर लें कि आयोग द्वारा आयु पात्रता के निर्धारण के लिये मैट्रिक/ माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या किसी समकक्ष प्रमाणपत्र में अंकित जन्मतिथि ही स्वीकार की जाएगी तथा बाद में इसमें किसी परिवर्तन के अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न ही इसकी अनुमति दी जाएगी।

4. (ख) गणना की तिथि को आयु मे छूट के दावे के लिये पात्र अभ्यर्थियों की विभिन्न श्रेणी के लिये उपलब्ध श्रेणी-कोड में आयु में छूट निम्नानुसार है:

कोड सं.	श्रेणी	ऊपरी आयु सीमा के अतिरिक्त आयु में स्वीकार्य (अनुज्ञेय) छूट
01	अ.जा/अ.ज.जा.	05 वर्ष
02	अ.पि.व.	03 वर्ष
03	भूतपूर्व सैनिक (अनारक्षित/सामान्य)	गणना की तिथि को वास्तविक आयु में सैन्य सेवा की अवधि घटाने के बाद 03 वर्ष
04	1984 के दंगों अथवा गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक दंगों में मारे गए दंगा पीडितों के बच्चे और उनके आश्रित (अनारक्षित)	05 वर्ष
05	1984 के दंगों अथवा गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक दंगों में मारे गए दंगा पीडितों के बच्चे और उनके आश्रित (अ.पि.व.)	08 वर्ष
06	1984 के दंगों अथवा गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक दंगों में मारे गए दंगा पीडितों के बच्चे और उनके आश्रित (अ.जा./अ.ज.जा)	10 वर्ष
07	अभ्यर्थी जो साधारणतया 1 जनवरी 1980 से 31 दिसंबर, 1989 की अवधि के दौरान जम्मू व कश्मीर राज्य के अधिवासी रहे हों (अनारक्षित)	05 वर्ष

शैक्षणिक योग्यताएँ (01.08.2018) को

किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन अथवा दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।

I. जिन अभ्यर्थियों ने दिनांक 01.08.2018 को अनिवार्य शैक्षिक योग्यता हासिल नहीं की है, वे पात्र नहीं है और उन्हें आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

II. अभ्यर्थियों को मूल रूप में संबंधित दस्तावेज/प्रमाणपत्र और आयु, शिक्षा, जाति, अधिवास, पहाड़ी क्षेत्र, छूट के लिये श्रेणी प्रमाणपत्र, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी), सेवा निवृत्ति प्रमाणपत्र (भूतपूर्वक सैनिकों के मामले में) अनिवार्य रूप से आना चाहिये, जिनकी कें.सु.पु.ब बोर्ड द्वारा विस्तृत चिकित्सा परीक्षा के दौरान जांच/सत्यापन किया जाएगा।

III. जो अभ्यर्थी दस्तावेजी साक्ष्यों से यह सिद्ध करने में सक्षम होंगे कि अर्हक परीक्षा का परिणाम अंतिम तारीख अर्थात् 01.08.2018 को या उससे पहले घोषित किया गया था और उसे उत्तीर्ण घोषित किया गया था, उसे अपेक्षित शैक्षिक योग्यता धारक माना जाएगा।

परीक्षा की योजना

I. कंप्यूटर आधारित परीक्षा (परीक्षा की तारीखों के बारे में उचित समय पर सूचित किया जाएगा)

उन सभी अभ्यर्थियों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीई) में शामिल होने के लिये बुलाया जाएगा, जिनके ऑनलाइन आवेदन सुव्यवस्थित पाए जाएंगे। कंप्यूटर आधारित परीक्षा में एक वस्तुनिष्ठ प्रकार का पेपर होगा जिसमें **100 अंकों के 100 प्रश्न** होंगे। उनकी संरचना निम्नलिखित होगी:

	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	अवधि/ समय अनुमत
भाग-क	सामान्य बुद्धिमत्ता और तर्कशक्ति	25	25	90 मिनट
भाग-ख	सामान्य ज्ञान और सामान्य जानकारी	25	25	
भाग-ग	प्रारंभिक गणित	25	25	
भाग-घ	अंग्रेज़ी/हिंदी	25	25	

परीक्षा के लिये पाठ्यक्रम निम्नानुसार होगा:

(क) सामान्य बुद्धिमत्ता और तर्कशक्ति: सैद्धांतिक रूप से गैर-शाब्दिक प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से विश्लेषणात्मक अभिरुचित देखने और प्रतिरूपों में भिन्नता करने की योग्यता आंकी जाएगी। इस घटक में सादृश्यों, समानताओं तथा अंतरों, स्थानिक कल्पना, स्थानिक अभिविन्यास, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंकगणितीय तर्क एवं आकृति संबंध वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या शृंखला, गैर-शाब्दिक शृंखला, कोडिंग एवं डिकोडिंग इत्यादि पर प्रश्नों को शामिल किया जा सकता है।

(ख) सामान्य ज्ञान और सामान्य जानकारी: इस घटक के प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस-पास के परिवेश की सामान्य जानकारी की जांच करना होगा, समसामयिकी घटनाओं और दिन-प्रतिदिन के अवलोकन के ऐसे मामलों के ज्ञान एवं उनके वैधानिक पहलू संबंधी अनुभव की जांच करने हेतु भी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसकी जानकारी की अपेक्षा किसी शिक्षित व्यक्ति से की जा सकती है। इस परीक्षा में भारत और उसके पडोसी देशों के संबंध में विशेषकर खेल, इतिहास, संस्कृति, भूगोल, आर्थिक परिदृश्य, साामन्य राज्य-व्यवस्था, भारतीय संविधान, वैज्ञानिक अनुसंधान इत्यादि से संबंधित प्रश्न भी शामिल होंगे। ये इस प्रकार के प्रश्न होंगे कि उनके लिये किसी भी विषय के विशेष अध्यन की आवश्यकता नहीं है।

(ग) प्रारंभिक गणित: इस प्रश्नपत्र में संख्या प्रणाली से संबंधित समस्याओं, पूर्णांकों का अभिकलन, दशमलव और भिन्न तथा संख्याओं के बीच परस्पर संबंध, मूलभूत अंकगणितीय संक्रियाएँ, प्रतिशतता, अनुपात और समानुपात, औसत, ब्याज, लाभ-हानि, छूट, क्षेत्रमिति, समय और दूरी अनुपात और समय, समय और कार्य, आदि से संबंधित प्रश्न शामिल किये जाएंगे।

(घ) अंग्रेज़ी/हिंदी: अभ्यर्थियों के मूल अंग्रेज़ी/हिंदी ज्ञान, उसकी मूलभूत समझ आदि की जांच की जाएगी।

उपर्युक्त सभी संघटकों के प्रश्न मैट्रिक स्तर के होंगे।

II. शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी):

कंप्यूटर आधारित परीक्षा के आधार पर, अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा पीईटी/पीएसटी के लिये शार्टलिस्ट किया जाएगा। कें.स.पु. बलों द्वारा अंतिम रूप से निर्णीत विभिन्न केंद्रों पर शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) और शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) आयोजित की जाएगी। विस्तृत चिकित्सा जांच के दौरान अभ्यर्थियों की पात्रता/दस्तावेजों की विस्तृत जांच की जाएगी। इसलिये, कंप्यूटर आधारित परीक्षा/शारीरिक मानक परीक्षा/शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान, ऊँचाई के मानकों पर योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) देनी होगी और इसके पश्चात उनकी बायोमैट्रिक/तकनीक समर्थित पहचान की जाएगी। किसी भी छूट अर्थात् आयु, ऊँचाई और छाती की माप के लिये, अभ्यर्थियों की पात्रता की जांच शारीरिक मानक परीक्षा से पहले शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) में अर्हता प्राप्त करने के बाद स.पु.ब. द्वारा की जाएगी।

(क) शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी):

	पुरुष उम्मीदवारों के लिये	महिला उम्मीदवारों के लिये
दौड़	24 मिनट में 5 किमी.	8½ मिनट में 1.6 किमी.

(ख) लद्दाख क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिये

	पुरुष	महिला
दौड़	6½ मिनट में 1 मील	4 मिनट में 800 मीटर

(ग) पीईटी के समय गर्भावस्था को आयोग्य होने का कारण माना जाएगा और इस चरण में गर्भवती महिला उम्मीदवारों को निरस्त कर दिया जाएगा

(घ) जो भू.पू.सै. कंप्यूटर आधारित परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किये जाएंगे, उन्हें केवल ऊँचाई, सीना और वजन की माप को दर्ज रिकॉर्ड किये जाने हेतु पीईटी/पीएसटी चरण में उपस्थित होना होगा। इन भू.पू.सैनिकों के लिये पीईटी आयोजित नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें चिकित्सा परीक्षा (डीएमई) में अर्हता प्राप्त करनी होगी।

III. शारीरिक मापदंड परीक्षा (पीएसटी)

कांस्टेबल/राइफलमैन के पद के लिये निर्धारित शारीरिक मानदंड हैं :

क. ऊँचाई:	ऊँचाई (सेमी. में)	
	पुरुष	**महिला**
सामान्य, अ.जा., अ.पि.व. अभ्यर्थियों के लिये (नीचे उल्लिखित अभ्यर्थियों को छोड़कर)	170	157
छूट: अनुसूचित जनजातियों के सभी उम्मीदवारों के लिये न्यूनतम ऊँचाई	162.5	150
अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा तथा नक्सल/वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों के सभी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम ऊँचाई	160	147.5
गढ़वाली, कुमाऊँनी, डोगरा, मराठों की श्रेणियों के अभ्यर्थियों और असम, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर राज्यों से संबंधित अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम ऊँचाई	165	155
अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा पूर्वोत्तर राज्यों के अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम ऊँचाई	162.5	152.5

ख. सीना	सीना (सेमी. में बिना फुलाए/न्यूनतम विस्तार)	
	पुरुष	**महिला**
सामान्य, अ.जा. और अ.पि.व. पुरुष अभ्यर्थी (निम्नलिखित अभ्यर्थियों को छोड़कर)	80/5	लागू नहीं
छूट: अनुसूचित जनजातियों के सभी उम्मीदवारों के लिये न्यूनतम सीना	76/5	लागू नहीं
गढ़वाली, कुमाऊँनी, डोगरा, मराठा श्रेणियों में आने वाले अभ्यर्थी और असम, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर राज्यों से संबंधित अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम सीना	78/5	लागू नहीं

वजन: पुरुष और महिला अभ्यर्थियों के लिये चिकित्सा मानकों के अनुसार ऊँचाई और आयु के अनुपात में।

11. चयन का तरीका:

(i) इस भर्ती प्रक्रिया में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीई), शारीरिक दक्षता परीक्षा (शा.द.प.), शारीरिक मापदंड परीक्षा (शा.मा.प.) और चिकित्सा परीक्षा शामिल होगी।

(ii) उन सभी अभ्यर्थियों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिये बुलाया जाएगा, जिनके ऑनलाइन आवेदन सही पाए जाते हैं। आयोग द्वारा सभी अभ्यर्थियों के लिये केवल कंप्यूटर आधारित पद्धति में ही परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिये प्रवेश पत्रों को कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

(iii) कंप्यूटर आधारित परीक्षा केवल अंग्रेज़ी और हिंदी में आयोजित की जाएगी।

(iv) कंप्यूटर आधारित परीक्षा में योग्यता के आधार पर शा.द.प./शा.मा.प. के लिये छांटे गए अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या से लगभग 10 गुना होगी।

(v) केवल वे अभ्यर्थी, जो शा.द.प./शा.मा.प. में अर्हता प्राप्त करते हैं और जिन्हें आयोग द्वारा विस्तृत चिकित्सा परीक्षा के लिये शॉर्टलिस्ट किया गया है तथा जिनके दस्तावेजों को सही पाया गया है, को विस्तृत चिकित्सा परीक्षा में शामिल होना होगा। यह विस्तृत चिकित्सा परीक्षा अपर महानिदेशक (चिकित्सा), के.स.पु.ब. द्वारा दिनांक 20.05.2015 को भर्ती चिकित्सा परीक्षा के लिये जारी संशोधित एक समान दिशा निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाएगी। विस्तृत चिकित्सा परीक्षा अनिवार्य है, लेकिन यह अर्हक प्रकृति की है।

(vi) अभ्यर्थियों से अपेक्षित पात्रता प्रमाण पत्रों/दस्तावेजों के संग्रहण तथा मूल दस्तावेजों के साथ उनका सत्यापन कें.स.पु. बलों द्वारा विस्तृत चिकित्सा परीक्षा (डी.एम.ई) के समय किया जाएगा।

(vii) शा.द.प./शा.मा.प. और विस्तृत चिकित्सा परीक्षा/पुनर्विचार चिकित्सा परीक्षा के लिये प्रवेश पत्रों को कें.रि.पु.ब. की वेबसाइट http://www.crpf.gov.in पर अपलोड किया जाएगा। शा.द.प./शा.मा.प. तथा विस्तृत चिकित्सा परीक्षा/पुनर्विचार चिकित्सा परीक्षा का आयोजन के.रि.पु.ब. द्वारा किये गए निर्णय के अनुसार विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा किया जाएगा।

(viii) अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र में निम्नलिखित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/संगठनों की वरीयता को अग्रता के क्रम में दे सकते हैं, सभी आठ वरीयताओं को भरना अनिवार्य होगा:

(क) सीमा सुरक्षा बल (ए) (ख) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (बी)
(ग) केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सी) (घ) सशस्त्र सीमा बल (डी)
(ङ) भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ई) (च) असम राइफल्स (एफ)
(छ) राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (जी) (ज) सचिवालय सुरक्षा बल (एच)

(ix) कंप्यूटर आधारित परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में प्रत्येक श्रेणी अर्थात् अनारक्षित, अ.जा., अ.ज.जा, अ.पि.व. और भू.पू.सै. श्रेणी में पुरुष तथा महिला अभ्यर्थियों के लिये अलग-अलग बल आबंटन के साथ अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया जाएगा तथा उसके बाद सीमावर्ती और आतंकवाद/नक्सलवाद प्रभावित जिलों, जहां कहीं लागू है, की श्रेणी को चिह्नित किया जाएगा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण और सचिवालय सुरक्षा बल के लिये अभ्यर्थियों का चयन अखिल भारतीय आधार पर किया जाएगा।

(x) अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के लिये केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/संगठनों का आबंटन 'कंप्यूटर आधारित परीक्षा में योग्यता'-सह-अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदनों में उनके द्वारा दी गई केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/संगठनों की वरीयता' के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र में अग्रता के क्रम में बलों/संगठनों की वरीयताओं को देते समय अत्यधिक सावधान रहें तथा इन्हें सतर्कतापूर्वक भरें। ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र के प्रस्तुतीकरण के पश्चात, आयोग द्वारा किन्हीं भी परिस्थितियों में वरीयता में परिवर्तन के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(xi) चयन के लिये पात्रता हेतु कंप्यूटर आधारित परीक्षा में अंकों की कट ऑफ निम्नानुसार होगी:

(क) सामान्य और भूतपूर्व सैनिक : 35%
(ख) अ.जा./अ.ज.जा/अ.पि.व : 33%

1 सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति
(General Intelligence & Reasoning)

कोडिंग और डिकोडिंग (Coding and Decoding)

कोडिंग/कूटलेखन (Coding)

जब किसी सामान्य अर्थपूर्ण सूचना को किसी विशेष नियम के द्वारा अर्थविहीन शब्द, अक्षर, संकेतों या अन्य किसी माध्यम में बदल दिया जाता है तो इस प्रक्रिया को 'कोडिंग' या 'कूटलेखन' कहते हैं।

जैसे– RAMESH = 18, 1, 13, 5, 19, 8

डिकोडिंग/कूटवाचन (Decoding)

जब किसी अर्थविहीन शब्द, अक्षर, संकेतों या अन्य को किसी विशेष नियम के द्वारा पुनः अर्थपूर्ण सूचना, शब्द और अक्षर में बदला जाता है तो इस प्रक्रिया को 'डिकोडिंग' या 'कूटवाचन' कहते हैं।

जैसे– 18, 1, 13, 5, 19, 8 = RAMESH

1. अंग्रेज़ी वर्णमाला के सभी अक्षरों की क्रम संख्या

अक्षर	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
क्रम संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
अक्षर	Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
क्रम संख्या	26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

अतः RAMESH = 18, 1, 13, 5, 19, 8 को आसानी से ज्ञात किया जा सकता है।

अक्षर कूटलेखन *(Letter Coding)*

अक्षरों का अपने स्थान से बढ़ना तथा घटना

उदाहरणः यदि किसी सांकेतिक भाषा में MOULD को LNTKC लिखा जाए तो, उसी सांकेतिक भाषा में EUROPE को कैसे लिखा जाएगा?

हलः इसमें M के लिये L, O के लिये N, U के लिये T, L के लिये K तथा D के लिये C लिखा गया है अर्थात् संकेत का प्रत्येक अक्षर अपने स्थान से एक स्थान पीछे वाला अक्षर है। इसी प्रकार, प्रश्न शब्द का संकेत भी उसके पीछे वाले अक्षर द्वारा लिखा जाएगा। अतः EUROPE के लिये DTQNOD होगा।

अक्षरों के स्थान में परिवर्तन

इस प्रकार के प्रश्नों में किसी शब्द के अक्षर सिर्फ अपना स्थान परिवर्तन करते हैं। वर्णमाला की क्रम संख्या का कोई अनुमान नहीं होता है।

उदाहरणः यदि किसी कूटभाषा में शब्द 'CONVINCE' को 'ECNIVNOC' लिखा जाता है तो उसी कूटभाषा में शब्द 'RASTIRMA' को क्या लिखा जाएगा?

हलः शब्द CONVINCE के अक्षरों को विपरीत क्रम में लिखकर ECNIVNOC प्राप्त किया। इसी प्रकार,

R A S T I R M A
⇓
A M R I T S A R

अभीष्ट कोड AMRITSAR प्राप्त होता है।

अक्षरों का विपरीत अक्षर द्वारा प्रतिस्थापन

उदाहरणः यदि किसी कूटभाषा में शब्द 'HINDU' को 'SRMWF' लिखा जाता है तो उसी कूटभाषा में 'LIGHT' को क्या लिखा जाएगा?

हलः शब्द HINDU के प्रत्येक अक्षर को विपरीत अक्षर से विस्थापित किया गया है। इसी प्रकार शब्द LIGHT को ORTSG में लिखा जाएगा।

अक्षरों की समानता के आधार पर कूटलेखन

उदाहरणः यदि किसी कूटभाषा में शब्द 'WASHINGTON' को 'BOCDWTSKGH' लिखा जाता है तो उसी कूटभाषा में शब्द 'HING' को क्या लिखा जाएगा?

हलः WASHINGTON ⇒ BOCDWTSKGH

दिये गए शब्दों में किसी निश्चित नियम का अनुसरण नहीं किया गया है। सिर्फ प्रत्येक अक्षर को एक निश्चित अक्षर द्वारा निरूपित किया गया है। इसी प्रकार–

H I N G
⇓ ⇓ ⇓ ⇓
D W T S

अतः अभीष्ट कोड DWTS होगा।

शब्दों के प्रतिस्थान द्वारा कूटलेखन

उदाहरणः यदि "आसमान" को "काला" कहा जाए, "काला" को "लाल" कहा जाए, "लाल" को "पीला" कहा जाए और "पीला" को "भूरा" कहा जाए तो बताइये कि खून का रंग क्या होगा?

हलः आसमान – काला
काला – लाल
लाल – पीला
पीला – भूरा

खून का रंग लाल होता है तो यहाँ लाल का मतलब पीला है। इसलिये खून का रंग पीला होगा।

2 सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी
(General Knowledge & General Awareness)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सामान्य परिचय

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को मार्च 2011 से पूर्व अर्धसैनिक बलों के रूप में ही जाना जाता था, पर गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भ्रम की स्थिति से बचने के लिये इन सभी के लिये एक समान नामकरण अपनाया गया।

1. सशस्त्र सीमा बल (Sashastra Seema Bal)
2. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (Central Industrial Security Force)
3. केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (Central Reserve Police Force)
4. भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (Indo-Tibetan Border Police)
5. सीमा सुरक्षा बल (Border Security Force)
6. असम राइफल्स (Assam Rifles)
7. राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (National Security Guard)

संगठनात्मक ढाँचा

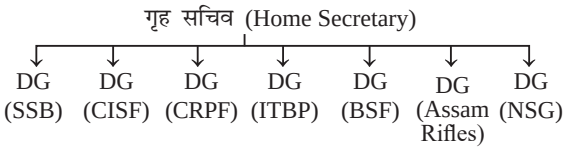

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का 'महानिदेशक' (DG) भारतीय पुलिस सेवा (IPS) से आता है।

सशस्त्र सीमा बल (Sashastra Seema Bal–SSB)

भारत-चीन युद्ध (1962) के बाद यह अनुभव किया गया कि सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत बनाने हेतु बंदूकधारी जवानों के साथ-साथ स्वप्रेरित सीमावर्ती जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इसी बात को ध्यान में रखकर एक ऐसे संगठन की आवश्यकता महसूस हुई जो सीमावर्ती जनता को राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान हेतु प्रेरित कर सके।

'विशेष सेवा ब्यूरो' (Special Service Bureau), जिसे अब 'सशस्त्र सीमा बल' (S.S.B.) के नाम से जाना जाता है, का गठन मार्च 1963 में किया गया।

इसके गठन का मुख्य उद्देश्य सुदूर सीमावर्ती इलाकों में युद्ध के समय 'स्टे बिहाइंड रोल' (Stay behind role) के द्वारा 'संपूर्ण सुरक्षा' तैयारी को सुनिश्चित करना था।

- यह एक अर्द्धसैनिक बल है।
- एस.एस.बी. का आदर्श वाक्य- "सेवा, सुरक्षा और भाईचारा"
- इसकी गवर्निंग संस्था- गृह मंत्रालय (भारत)
- एस.एस.बी. का मुख्यालय- नई दिल्ली
- एस.एस.बी. की मातृ संस्था 'केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल' है।

गृह मंत्रालय के अधीन एस.एस.बी. को 2001 में सीमा रक्षा बल घोषित किया गया और 2003 में इसका नाम बदलकर 'सशस्त्र सीमा बल' रखा गया। जून 2001 में एस.एस.बी. को 1751 किमी. लंबी भारत-नेपाल सीमा की रक्षा का दायित्व सौंपा गया तथा मार्च 2004 में 699 किमी. लंबी भारत-भूटान सीमा की रक्षा का दायित्व सौंपा गया। एस.एस.बी. भारत-नेपाल सीमा और भारत-भूटान सीमा की मुख्य आसूचना एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है।

वर्तमान में एस.एस.बी. उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, असम और अरुणाचल प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात है। खुली सीमाओं की सुरक्षा का कार्य बंद सीमाओं की सुरक्षा की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि खुली सीमाओं की वजह से अवैध व्यापार, तस्करी, घुसपैठ आदि को बढ़ावा मिलता है, जो देश की सुरक्षा को खतरा पैदा करने का अवसर प्रदान करती हैं।

सीमावर्ती देशों से सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को ध्यान में रखकर तथा भारत-नेपाल वीजा मुक्त क्षेत्र होने के कारण हमारी सीमाएँ खुली होने पर भी एस.एस.बी. ने सीमा की सुरक्षा को प्रभावी रूप से कार्यान्वित किया है। एस.एस.बी. की चार्टर ऑफ ड्यूटी में निम्नलिखित बाते समाहित हैं-

- सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाली जनता में सुरक्षा की भावना विकसित करना।
- भारतीय सीमा में अनाधिकृत प्रवेश और निकासी को रोकना, तस्करी और अन्य गैर कानूनी गतिविधियों को रोकना।

वर्तमान में एस.एस.बी. के कार्यक्षेत्र में 10 एस.एस.बी. डिवीजन, 49 क्षेत्रीय मुख्यालय, 117 उप-क्षेत्रीय मुख्यालय तथा 287 सर्किल सम्मिलित हैं।

सीमावर्ती जनता के कल्याण तथा उनके उत्थान के लिये एस.एस.बी. द्वारा समय-समय पर अनेक कार्यक्रम चलाये जाते है जिन्हें सिविक एक्शन कहा जाता है।

'सिविक एक्शन कार्यक्रम' के तहत निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया जा रहा है-

- सीमावर्ती जनता को सुरक्षा के प्रति सचेत बनाना, उनमें देशभक्ति की भावना विकसित करना, उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ना।
- राष्ट्र के लिये उपयोगी सामाजिक-आर्थिक मामलों के विषय में सीमावर्ती जनता को जागरूक बनाना।

असम राइफल्स (Assam Rifles)

यह भारत का सबसे पुराना अर्द्धसैनिक बल (Paramilitary Force) है। 'असम राइफल्स' का गठन 1835 में 'कछार लेवी' (Cachar Levy) के नाम से किया गया। 1883 में इसका नाम 'असम फ्रंटियर पुलिस' (Assam Frontier Police) कर दिया गया। 1891 में इसका नाम 'असम सैन्य पुलिस' (Assam Military Police) 1913 में पुनः इसका नाम बदलकर 'पूर्वोत्तर बंगाल और असम सैन्य पुलिस' (Eastern Bengal and Assam Military Police) कर दिया गया। 1917 से इसे 'असम राइफल्स' (Assam Rifles) के नाम से जाना जाता है।

वर्तमान में इसकी 46 बटालियनें कार्यरत हैं।

- इसका मुख्यालय शिलांग (Shillong) असम में स्थित है।
- इसकी गवर्निंग बॉडी- गृह मंत्रालय (भारत सरकार)
- इसका मुखिया महानिदेशक (DG-Assam Rifles) होता है। वर्तमान में ले.ज. सोकिन चौहान इसके महानिदेशक हैं।

असम राइफल्स पर वर्तमान में पूर्वोत्तर क्षेत्र की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ म्यांमार सीमा की सुरक्षा का भी उत्तरदायित्व है। इसे 'पूर्वोत्तर का प्रहरी' और 'पर्वतीय लोगों का मित्र' भी कहा जाता है।

असम राइफल का ध्येय वाक्य- "पूर्वोत्तर का प्रहरी" (Sentinels of the North East) है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (National Security Guard-NSG)

ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984) के बाद केंद्रीय मंत्रीमंडल ने एक संघीय आकस्मिक बल बनाने का निर्णय लिया जिसमें सभी प्रकार के आतंकवाद से निपटने के लिये बेहद सुसज्जित और प्रशिक्षित कार्मिक शामिल हों। "राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अधिनियम, 1986" के तहत 22 सितंबर 1986 को एन.एस.जी. का गठन किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (N.S.G.) को ब्रिटेन के 'एस.ए.एस.' (Special Air Service) और जर्मनी के 'जी.एस.जी.-9' (जर्मन सीमा गार्ड समूह-9) के अनुरूप बनाया गया है।

इसके दो मुख्य तत्व हैं- एक 'एस.ए.जी.' (Special Action Group) तथा दूसरा 'एस.आर.जी.' (Special Rangers Group)

'एस.ए.जी.' में सेना के कार्मिक शामिल होते हैं तथा 'एस.आर.जी.' में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों/राज्य के पुलिस बलों के कार्मिकों को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

एन.एस.जी. का उपयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है।

एन.एस.जी. का कार्य प्रकृति-

1. उत्कृष्टता को अपनाना
2. आगे आकर नेतृत्व करना

सैन्य बल (विशेष शक्तियाँ) अधिनियम, 1958

यह अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड तथा त्रिपुरा के अशांत क्षेत्रों में सैन्य बलों के सदस्यों को विशेष शक्तियाँ प्रदान करने वाला अधिनियम है।

जम्मू-कश्मीर में हिंसक अलगाववाद का सामना करने के लिये सेना को विशेष अधिकार देने की प्रक्रिया के चलते यह कानून 5 जुलाई, 1990 को "सशस्त्र बल (जम्मू एवं कश्मीर) विशेष शक्तियाँ अधिनियम, 1990" के रूप में पूरे राज्य में लागू कर दिया गया।

इसके अंतर्गत सशस्त्र बलों में कोई कमीशन प्राप्त अधिकारी, वारंट अधिकारी, नॉन कमीशंड अधिकारी अथवा समान रैंक के किसी अन्य व्यक्ति को निम्न अधिकार प्राप्त हैं-

1. अशांत क्षेत्रों में में लोक व्यवस्था बनाये रखने हेतु आवश्यक समझने पर फायरिंग अथवा बल प्रयोग का अधिकार।
2. संदेह के आधार पर बिना वारंट के गिरफ्तारी का अधिकार।

जुड़िये हमारे यू-ट्यूब चैनल Drishti IAS से

आपकी तैयारी को और अधिक धारधार बनाने के लिये दृष्टि आई.ए.एस. ने YouTube चैनल की शुरुआत की है जिसके अंतर्गत IAS की तैयारी से जुड़े कई तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं

- ऑडियो आर्टिकल
- टू द पॉइंट
- टॉपर्स व्यू
- Strategy
- Concept Talk & many more...

Visit us : YouTube / DrishtiIAS & SUBSCRIBE

For any query please contact:
8130392354, 56, 87501-87501, 011-47532596

3 करेंट अफेयर्स : एक नज़र में
(Current Affairs : At a Glance)

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी ई-गवर्नेंस इंडेक्स में भारत ने कौन-सा स्थान हासिल किया? ***98वाँ***
- 123वाँ संविधान संशोधन विधेयक किससे संबंधित है? ***अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग***
- 'मुख्यमंत्री युवा नेस्थम' योजना किस राज्य से संबंधित है? ***आंध्र प्रदेश***
- हाल ही में टेस्ट बल्लेबाजों के लिये आईसीसी प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष स्थान किसने हासिल किया? ***विराट कोहली***
- हाल ही में 'मुख्यमंत्री किसान आय बढ़ोतरी सोलर योजना' कहाँ पर शुरू की गयी है? ***दिल्ली***
- किस देश ने महिला हॉकी विश्व कप-2018 जीता है? ***नीदरलैंड***
- बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप-2018 फाइनल किसने जीता है? ***कैरोलिना मैरिन***
- किस भारतीय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन रखा गया है? ***मुगलसराय रेलवे स्टेशन***
- संयुक्त राज्य अमेरिका से रणनीतिक व्यापार प्राधिकरण-I दर्ज़ा प्राप्त करने वाला कौन-सा देश तीसरा एशियाई देश बन गया है? ***भारत***
- हाल ही में किस महिला क्रिकेटर ने 18 गेंदों में 50 रन बनाकर दूसरा सबसे तेज़ अर्द्धशतक लगाने का रिकार्ड बनाया? ***स्मृति मंधाना***
- अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने हाल ही में अपनी स्थापना के कितने वर्ष पूरे होने पर लोगो जारी किया है? ***60 वर्ष***
- हाल ही में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन एवं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच किस जगह वार्ता आयोजित की गयी? ***हेलसिंकी (फिनलैंड)***
- संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री-2018' किन दो देशों के बीच आयोजित किया गया? ***भारत और थाईलैंड***
- फील्ड मेडल-2018, भारतीय मूल के किस गणितज्ञ को प्रदान किया गया? ***अक्षय वेंकटेश***
- जिम्बाब्वे के नए राष्ट्रपति के रूप में किसे चुना गया है? ***एमर्सन मानङ्गवा***
- 'सेवा भोज योजना' किस केंद्रीय मंत्रालय द्वारा शुरू की गयी है? ***संस्कृति मंत्रालय***
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को किस राज्य में प्रकाशित किया गया? ***असम***
- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस किस तिथि को आयोजित किया जाता है? ***29 जुलाई***
- किस भारतीय खिलाड़ी ने यूरोपीय टूर खिताब-2018 जीता है? ***गगनजीत भुल्लर***
- 'डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज' कहाँ लॉन्च किया गया? ***बंगलूरू***
- किस देश को दो वर्ष के लिये एशिया प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान का अध्यक्ष चुना गया है- ***भारत***
- राज्य ऊर्जा दक्षता तैयारी सूचकांक में कुल कितने संकेतक हैं? ***63***
- वर्ष 2017 के लिये किसे 'उत्कृष्ट संसदीय पुरस्कार' प्रदान किया गया? ***भारृहारी महाताब***
- जैव ईंधन पॉलिसी सर्वप्रथम किस राज्य द्वारा कार्यान्वित की जा रही है? ***राजस्थान***
- किस देश ने 1000वाँ क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि हासिल की है? ***इंग्लैंड***
- तीसरे ब्रिक्स फिल्म फेस्टीवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में किस फिल्म को चुना गया? ***न्यूटन***
- पाकिस्तानी संसद पहुँचने वाले पहले हिन्दू उम्मीदवार हैं- ***महेश कुमार मलानी***
- एशिया-प्रशांत के सबसे बड़े वायुसेना अभ्यास 'पिच ब्लैक-2018' की मेजबानी किस देश द्वारा की गयी? ***ऑस्ट्रेलिया***
- पाकिस्तानी नेता इमरान खान किस पार्टी से संबंधित हैं? ***पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ***
- वैश्विक दिव्यांगता सम्मेलन-2018 कहाँ आयोजित किया गया? ***लंदन***
- वर्तमान सदी का सबसे लंबा चंद्र ग्रहण किस तिथि को हुआ? ***27–28 जुलाई, 2018 को***
- तीरंदाजी विश्वकप-2018 कहाँ आयोजित किया गया? ***बर्लिन (जर्मनी)***
- गोपालदास नीरज जिनका हाल ही में निधन हुआ किस क्षेत्र से संबंधित थे? ***कविता***

4 प्रारंभिक गणित (Elementary Mathematics)

संख्या पद्धति (Number System)

संख्याओं के प्रकार (Types of Numbers)

1. **प्राकृत संख्याएँ या प्राकृतिक संख्याएँ (Natural Numbers):** जिन संख्याओं का प्रयोग हम वस्तुओं को गिनने के लिये करते हैं, उन्हें प्राकृत संख्याएँ या गणन संख्याएँ कहते हैं। जैसे- 1, 2, 3, 4, 5..... इत्यादि। शून्य (0) प्राकृत संख्या नहीं है।
2. **पूर्ण संख्याएँ (Whole Numbers):** प्राकृत संख्याओं में शून्य को सम्मिलित करने पर प्राप्त संख्याएँ पूर्ण संख्याएँ कहलाती हैं। जैसे- 0, 1, 2, 3, 4, 5..... इत्यादि।
3. **सम संख्याएँ (Even Numbers):** ऐसी प्राकृत संख्याएँ जो 2 से पूर्णतः विभाजित हो जाएँ, उन्हें 'सम संख्याएँ' कहते हैं। जैसे- 2, 4, 6, 8..... इत्यादि।
4. **विषम संख्याएँ (Odd Numbers):** ऐसी प्राकृत संख्याएँ जो 2 से पूर्णतः विभाजित न हों। उन्हें 'विषम संख्याएँ' कहते हैं। जैसे- 1, 3, 5, 7, 9... इत्यादि।
5. **पूर्णांक (Integers):** प्राकृत संख्याओं में शून्य तथा ऋणात्मक संख्याओं को भी सम्मिलित करने पर प्राप्त संख्याएँ 'पूर्णांक' कहलाती हैं। जैसे- –5, –4, –3, –2, –1, 0, 1, 2, 3, 4.....
   नोटः शून्य न तो धनात्मक और न ही ऋणात्मक है।
6. **अभाज्य संख्याएँ (Prime Numbers):** 1 से बड़ी ऐसी प्राकृत संख्याएँ, जो स्वयं और 1 के अलावा किसी अन्य संख्या से विभाजित नहीं होतीं, 'अभाज्य संख्याएँ' कहलाती हैं। जैसे- 2, 3, 5, 7, 11....
7. **भाज्य संख्याएँ:** ऐसी प्राकृत संख्याएँ जो स्वयं और 1 के अतिरिक्त अन्य किसी कम-से-कम एक संख्या से भी विभाजित हो जाती हैं, भाज्य संख्याएँ कहलाती हैं जैसे- 4, 6, 8, 9, 10.....
   नोटः 1 न तो भाज्य और न ही अभाज्य संख्या है।
8. **परिमेय संख्याएँ (Rational Numbers):** जो संख्याएँ $\frac{p}{q}$ के रूप में हों, जहाँ p और q दोनों पूर्णांक हैं तथा $q \neq 0$ है, 'परिमेय संख्याएँ' कहलाती हैं, जैसे- $\frac{2}{3}, \frac{11}{17}$ ..... इत्यादि।
   नोटः सभी प्राकृत संख्याएँ, परिमेय संख्याएँ ही हैं, क्योंकि $5 = \frac{5}{1} = \frac{p}{q}$ का रूप = परिमेय संख्या
9. **अपरिमेय संख्याएँ (Irrational Numbers):** जो संख्याएँ $\frac{p}{q}$ के रूप में न लिखी जा सकें, अपरिमेय संख्याएँ कहलाती हैं। जैसे- $\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{7}, \frac{\sqrt{11}}{\sqrt{13}}$ इत्यादि।
   नोटः परिमेय तथा अपरिमेय संख्याओं को सम्मिलित रूप से वास्तविक संख्याएँ कहते हैं। जैसे- $\sqrt{2}, \frac{3}{8}, \frac{\sqrt{5}}{\sqrt{7}}, 2$ इत्यादि।
10. **सह-अभाज्य संख्या (Co-prime number):** दो ऐसी संख्याएँ a और b 'सह-अभाज्य' कहलाती हैं, यदि इनका म.स. 1 हो। जैसे- (4, 7), (3, 7), (27, 11) आदि।

इकाई का अंक ज्ञात करना

1. 1 पर कोई भी घात हो, इकाई अंक हमेशा 1 होता है।
2. 3^4 का इकाई अंक 1 होता है।
3. 4 पर घात सम संख्या होने पर इकाई अंक 6 और विषम संख्या होने पर इकाई अंक 4 होता है।
4. 5 पर कोई भी घात हो, इकाई अंक हमेशा 5 होता है।
5. 6 पर कोई भी घात हो, इकाई अंक हमेशा 6 होता है।
6. 7^4 का इकाई अंक 1 होता है।
7. किसी ऋणात्मक संख्या पर यदि घात सम संख्या में हो तो उत्तर धनात्मक में आता है और यदि घात विषम संख्या में हो तो उत्तर ऋणात्मक आता है।

उदाहरणः $56 \times 732 \times 523 \times 625 \times 876$ में इकाई का अंक होगा:

हलः $56 \times 732 \times 523 \times 625 \times 876$ में
इकाई का अंक $= 6 \times 2 \times 3 \times 5 \times 6 = 0$

विभाज्यता की जाँच (Divisibility Tests)

- कोई संख्या 3 से या 9 से पूर्णतः विभाजित होगी, यदि उस संख्या के अंकों का योग क्रमशः 3 से या 9 से पूर्णतः विभाजित हो। जैसे- $135 = 1 + 3 + 5 = 9 \Rightarrow$ 3 से पूर्णतः विभाज्य है।
- कोई संख्या 4 से पूर्णतः विभाजित होगी, यदि उसके अंतिम दो अंकों से बनी संख्या 4 से विभाजित हो या अंतिम दोनों अंक शून्य हों। जैसे- 1628
- कोई संख्या 8 से पूर्णतः विभाजित होगी, यदि उसके अंतिम तीन अंकों से बनी संख्या 8 से विभाजित हो या अंतिम तीन अंक शून्य हों। जैसे- 25192

5 सामान्य हिंदी (General Hindi)

पर्यायवाची शब्द

जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो अर्थात् जो अर्थ की दृष्टि से समान हों, 'पर्यायवाची' शब्द कहलाते हैं। संस्कृत के अधिकांश शब्दों को आत्मसात करने के कारण हिंदी में पर्यायवाची शब्द बहुलता में हैं। पर्यायवाची शब्दों का वाक्य प्रयोग के अनुसार ही उचित निरूपण होता है।

अभ्यास हेतु पर्यायवाची शब्द

शब्द	पर्यायवाची
अग्नि	आग, अनल, पावक, धूम्रकेतु, धनंजय, हुताशन, कृषानु, रोहिताश्व, वैश्वानर, वह्नि, वायुसखा
अमृत	अमी, सोम, सुधा, अमिय, सुरभोग, जीवनोदक, पीयूष
अतिथि	मेहमान, पाहुन, आगंतुक, अभ्यागत
अक्षर	मोक्ष, वर्ण, शिव, ब्रह्मा
अनुपम	अद्भुत, अनूठा, अपूर्व, अद्वितीय, अनोखा, अप्रतिम
अभिजात	श्रेष्ठ, पूज्य, उच्च, कुलीन
अभिप्राय	अर्थ, तात्पर्य, आशय, मतलब, मायने
अकाल	दुर्भिक्ष, दुष्काल, कुकाल, सूखा, अनावृष्टि
अर्जुन	पार्थ, धनंजय, कौंतेय, गुडाकेश, सव्यसाची
आम	सहकार, रसाल, आम्र, अंब, अमृतफल, पिकबंधु, पियंबु, अतिसौरभ
आकाश	नभ, अभ्र, दिव, व्योम, अनंत, शून्य, गगन, अंतरिक्ष, द्यो, तारापथ, अंबर, खगोल, फलक
आनंद	सुख, चैन, प्रसन्नता, मोद, विनोद, प्रमोद, हर्ष, आह्लाद, उल्लास
आवेग	स्फूर्ति, तेजी, जोश, चपलता, त्वरा
आतंक	भीषिका, उपद्रव, अतिभय, संत्रास, दहशत
आपत्ति	आपदा, मुसीबत, विपदा, आफ़त, विपत्ति
आहार	भोजन, खाना, खाद्य वस्तु, भोज्य सामग्री
आत्मा	चैतन्य, ब्रह्म, क्षेत्रज्ञ, सर्वज्ञ, सर्वव्याप्त, विभु, जीव
इन्द्र	शचीपति, मधवा, शक्र, सहस्राक्ष, सुरेन्द्र, कौशिक, विडौला, अमरपति, वासव, जिष्णु, पुरुहूत
इच्छा	अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, लालसा, उत्कंठा, रुचि, तृष्णा, मनोरथ, चाह, मर्जी, स्पृहा, लिप्सा
इंद्राणी	इंद्रवधू, इंद्रा, शची, पुलोमजा, शतावरी, पौलोमी
इंद्रधनुष	शक्रचाप, इंद्रधनु, सुरचाप
ईश्वर	जगदीश, ईश, दीनानाथ, अज
उत्कर्ष	उन्नति, उन्मेष, उत्थान, अभ्युदय, आरोह, चढ़ाव, उत्क्रमण, उठाव
उद्धार	मुक्ति, मोक्ष, निस्तार, छुटकारा, अपमोचन
उत्साह	जोश, हौसला, उमंग, साहस, उबाल
उजाला	ज्योति, प्रकाश, आलोक, रोशनी, प्रभा
ओस	तुषार, हिमकण, हिमसीकर, हिमबिंदु, तुहिनकण
ऐश्वर्य	वैभव, संपदा, संपन्नता, समृद्धि, श्री, संपत्ति, धनसंपत्ति, ऋद्धि
अंक	हृदय, गोद, संख्या, नाटक का एक भाग, सर्ग
औषधि	भेषज, दवा, दवाई, औषध
आँख	लोचन, नयन, नेत्र, चक्षु, दृग, अक्षि, अंबक, चख, दीदा, ईक्षण, विलोचन, प्रेक्षण
कपड़ा	पट, अंबर, वस्त्र, वसन, परिधान, चीर, दुकूल
कामदेव	मदन, अनंग, पंचशर, रतिनाथ, कामग, मकरध्वज, मनोभव, मनोज, प्रद्युम्न, कुसुमबाण, कंदर्प, मार, स्मर
कमल	इन्दीवर, तामरस, राजीव, कुवलय, अंबुज, पंकज, अरविंद, जलज, नीरज, नलिन, उत्पल, शतदल, कोकनद
किरण	मरीचि, रश्मि, अर्चि, अंशु, मयूख, दीप्ति, कर
कल्पवृक्ष	सुरतरु, हरिचंदन, मंदार, पारिजात, देववृक्ष कल्पतरु, कल्पशाल, कल्पद्रुम
कली	कलिका, कोपल, जालक, मुकुल, ताम्रपल्लव, कुडमल, कोरक, नवपल्लव, अँखुवा
कर	शुल्क, महसूल, हाथ, मालगुजारी
कन्या	कुमारी, कुँआरि, अविवाहिता, अनूढ़ा, किशोरी, बाला, बालिका
कबूतर	कपोत, हारीत, रक्तलोचन, पारावृत, परेवा
कारागार	कारावास, बंदीगृह, जेल, कैदखाना
कार्तिकेय	कुमार, षडानन, शरभव, स्कंद
कुबेर	यक्षराज, धनद, धनाधिप, राजराज, किन्नरेश, धनपति, धनेश, अलंकेश, धनपाल, धनेश्वर
कोयल	पिक, कोकिल, श्याम, मदनशलाका, कलघोष, बसंतदूत, काकपाली

6 विगत वर्षों के हल प्रश्नपत्र
(Previous Year Solved Question Paper)

वर्ष 2015 हल प्रश्नपत्र (प्रथम पाली)

निर्देश (प्र.सं. 1–3): *दिये गए विकल्पों में से विषम शब्द/अक्षर/संख्या को चुनिये।*

1. (a) JG (b) RN
   (c) NJ (d) UQ
2. (a) 22 (b) 12
   (c) 15 (d) 18
3. (a) स्पीड पोस्ट (b) एस.एम.एस.
   (c) पत्र (d) मनीऑर्डर
4. प्रवृति को देखते हुए लुप्त संख्या ज्ञात कीजिये:

5	4	3
6	7	8
4	2	?
34	30	30

   (a) 5 (b) 3
   (c) 6 (d) 10
5. DIMO : DMIO :: JUVR : **?**
   (a) JUVR (b) JVRU
   (c) JVUR (d) JRVU
6. फ्रेंच : फ्राँस :: डच : ?
   (a) हॉलैंड (b) फिज़ी
   (c) नॉर्वे (d) स्वीडन

निर्देश (प्र.सं. 7–8): *दिये गए विकल्पों में से संबंधित शब्द/अक्षरों/संख्या को चुनिये।*

7. 4 : 19 :: 7 : **?**
   (a) 52 (b) 28
   (c) 49 (d) 68
8. पुस्तक : पुस्तकालय :: वृक्ष : ?
   (a) फल (b) फर्नीचर
   (c) छाया (d) वन
9. यदि 'STOVE' का कोड 'EVOTS' है और 'CANDLE' का कोड 'ELDNAC' है तो 'REPORT' का कोड क्या होगा?
   (a) PORTRE (b) SFQPSU
   (c) QDONQS (d) TROPER
10. एक शब्द केवल एक संख्या-समूह द्वारा दर्शाया गया है, जैसा कि विकल्पों में से किसी एक में दिया गया है। विकल्पों में दिये गए संख्या-समूह अक्षरों के दो वर्गों द्वारा दर्शाए गए है, जैसा कि नीचे दिये गए दो आव्युहों में है। आव्यूह-I के स्तंभ और पंक्ति की संख्या 0 से 4 दी गई है और आव्युह-II की 5 से 9। इन आव्युहों से एक अक्षर को पहले उसकी पंक्ति और बाद में स्तंभ संख्या द्वारा दर्शाया जा सकता है। उदाहरण के लिये, 'D' को 00, 12 आदि द्वारा दर्शाया जा सकता है तथा 'P' को 56, 68 आदि द्वारा दर्शाया जा सकता है। इसी तरह से आपको प्रश्न में दिये शब्द 'FIRE' के लिये समूह को पहचानना है।

आव्युह-I

	0	1	2	3	4
0	D	E	F	I	N
1	I	N	D	E	F
2	E	F	I	N	D
3	N	D	E	F	I
4	F	I	N	D	E

आव्युह-II

	5	6	7	8	9
5	O	P	R	S	T
6	S	T	O	P	R
7	P	R	S	T	O
8	T	O	P	R	S
9	R	S	T	O	P

   (a) 33, 34, 76, 22 (b) 21, 22, 88, 33
   (c) 02, 03, 57, 01 (d) 14, 10, 69, 14
11. प्रश्न आकृति का प्रयोग करके कौन-सी उत्तर आकृति बनाई जा सकती है?

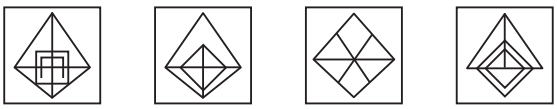

   (a) (b) (c) (d)
12. पाँच मित्र एक पंक्ति में, दक्षिण दिशा में मुँह करके बैठे है उनमें मोहन, बालू और राजू के बीच में है और राजू, परवीन के ठीक दाईं ओर है। इसी तरह अमित, बालू के दाईं ओर। तदनुसार, सबसे दाईं ओर कौन है?
   (a) अमित (b) बालू
   (c) परवीन (d) मोहन
13. यदि 2 = 0, 3 = 3, 4 = 6, 5 = 9 हो, तो 7 = **?**
   (a) 16 (b) 15 (c) 18 (d) 12
14. यदि '÷', '×' के लिये है तथा '×', '–' के लिये है '–', '+' के लिये है और '+', '÷' के लिये हैं, तो
   48 + 6 – 12 ÷ 2 + 10 = ?
   (बोडमास के नियम के तहत नहीं बल्कि क्रम के अनुसार हल कीजिये।)
   (a) 9 (b) 16 (c) 4 (d) 14

दृष्टि पब्लिकेशन्स

हमारी आगामी प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश

राजस्व लेखपाल परीक्षा 2018

हेतु एकमात्र विश्वसनीय पाठ्य-सामग्री

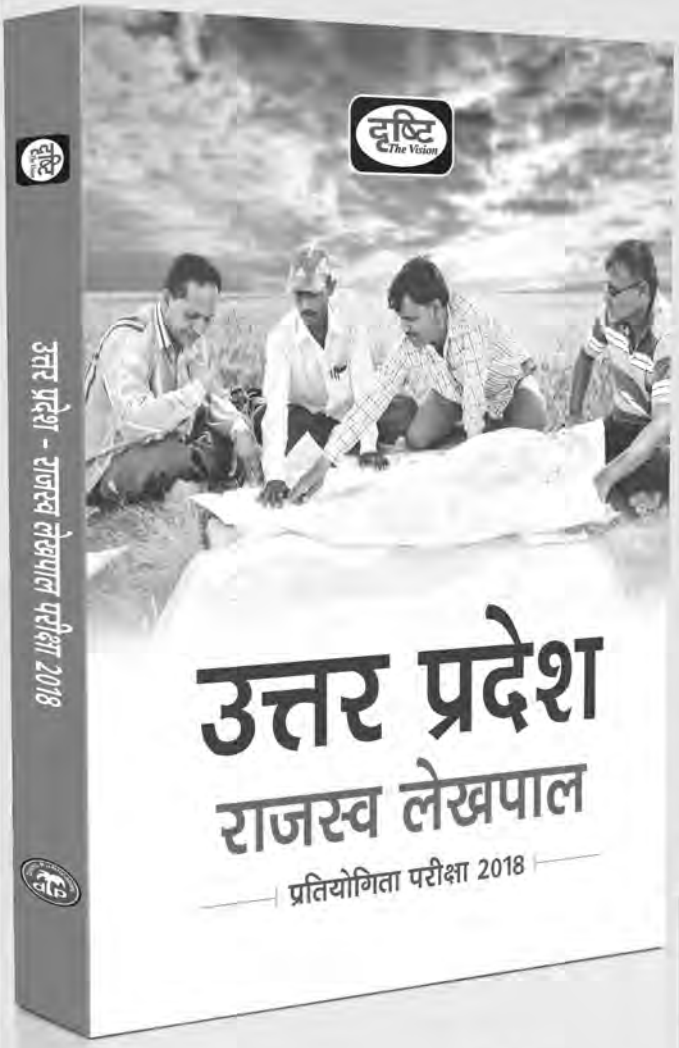

प्रमुख आकर्षण

- सामान्य जानकारी
- सामान्य हिंदी
- आंकिक एवं तार्किक क्षमता
- ग्राम समाज एवं विकास
- ग्राम विकास संबंधी योजनाएँ
- विगत वर्षों के हल प्रश्नपत्र
- मॉडल प्रश्नपत्र

नवीनतम् पाठ्यक्रम पर आधारित

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9 Ph.: 87501 87501, 011-47532596

E-mail: online@groupdrishti.com, info@drishtiias.com, *Website: www.drishtiias.com

दृष्टि पब्लिकेशन्स

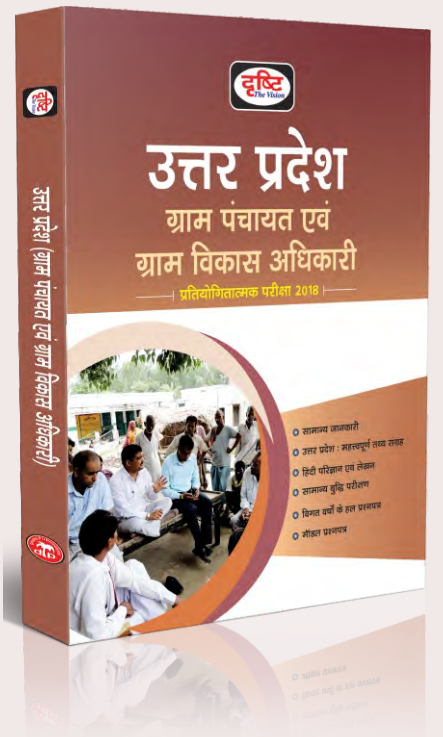

आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा है

उत्तर प्रदेश

ग्राम पंचायत एवं ग्राम विकास अधिकारी

हेतु एकमात्र विश्वसनीय पाठ्य-सामग्री

प्रमुख आकर्षण

- सामान्य जानकारी
- उत्तर प्रदेश : महत्त्वपूर्ण तथ्य संग्रह
- हिंदी परिज्ञान एवं लेखन
- सामान्य बुद्धि परीक्षण
- विगत वर्षों के हल प्रश्नपत्र
- मॉडल प्रश्नपत्र

हमारी आगामी प्रस्तुति

गणित (Mathematics)

IAS, PCS, IBPS, SBI, Railway, SSC, CGL, CPO, CHSL, UPSSSC

इत्यादि परीक्षाओं हेतु एक संपूर्ण पुस्तक

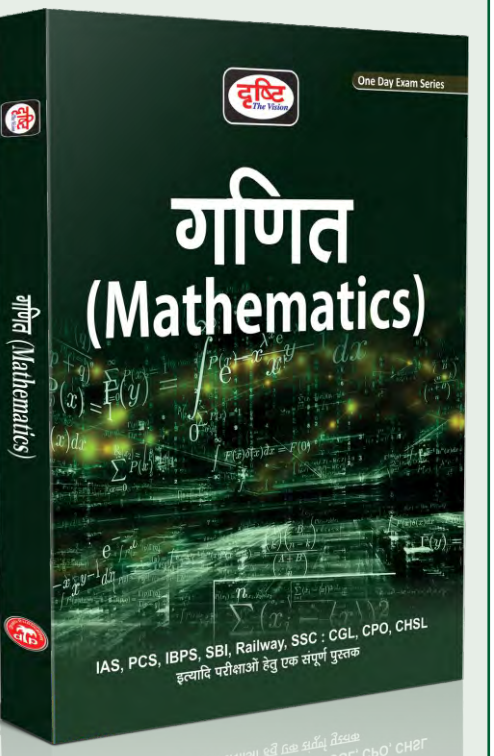

प्रमुख आकर्षण

- परीक्षोपयोगी सभी अध्यायों का समावेश
- प्रत्येक अध्याय में उदाहरणों एवं अभ्यास प्रश्नों का व्याख्या सहित हल
- विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का संकलन

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9 Ph.: 87501 87501, 011-47532596
E-mail: online@groupdrishti.com, info@drishtiias.com, *Website: www.drishtiias.com

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

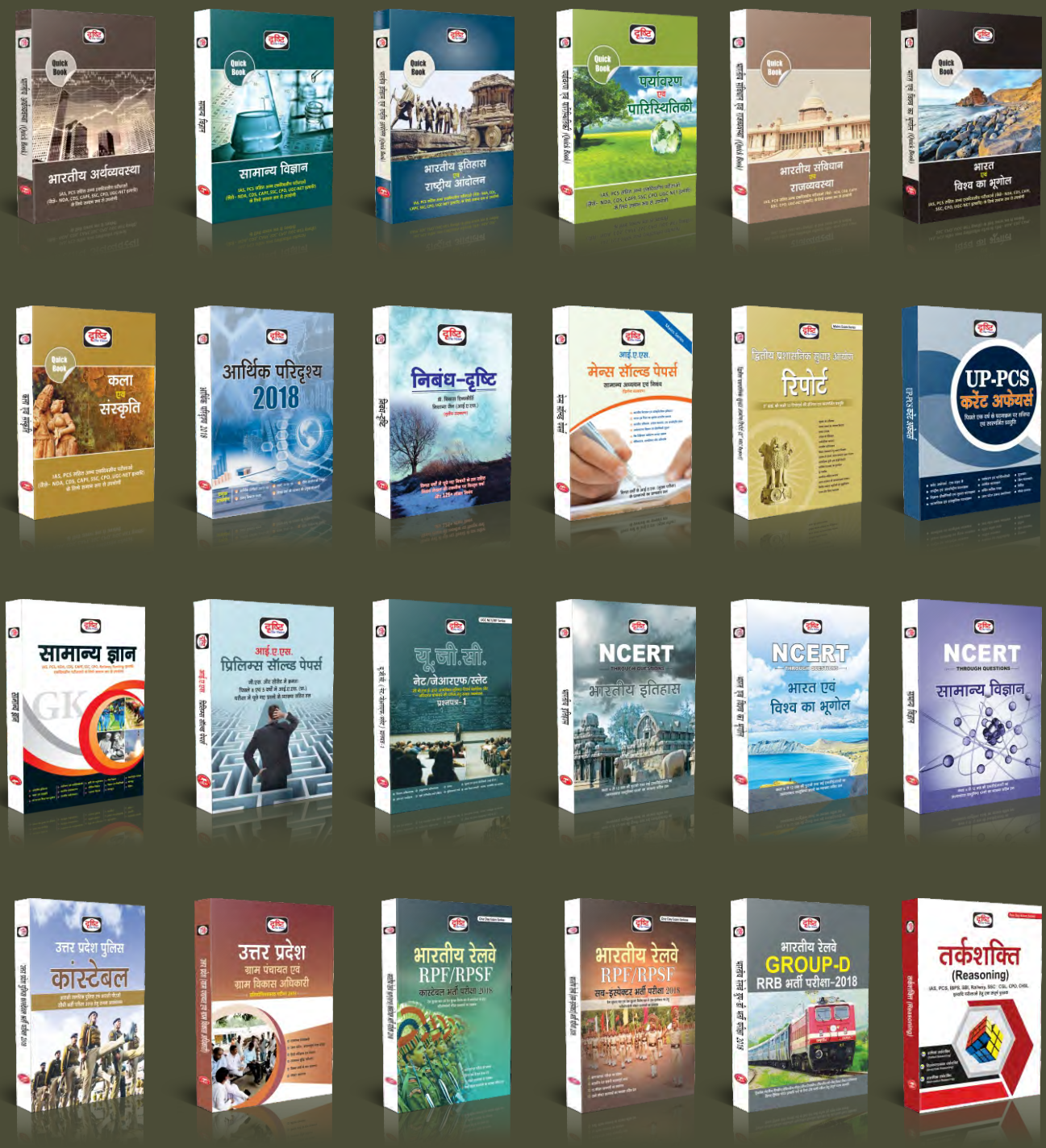

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

मूल्य : ₹ 220